प्रायद्वीपीय भारत

Part – II

→ प्रायद्वीपीय भारत पठार है

→ औसतन – 600 मी

→ चट्टानी भाग है।

→ गोंडवाना लैंड का हिस्सा

→ हिमालय से प्राचीन

→ हिमालय आंतरिक रूप से अस्थिर है

→ प्रायद्वीपीय भारत का पठार आंतरिक रूप से स्थिर

→ प्रायद्वीपीय भारत के पठार के अधिकतर हिस्से का ढाल उत्तर की तरफ यानी गंगा घाटी की तरफ

→ सतपुरा पहाड़ी के दक्षिण में प्रायद्वीपीय भारत के पठार का ढाल पूर्व की तरफ हो जाता है।

→ सतपुरा पहाड़ी के उत्तर में नर्मदा एवं दक्षिण में तापी नदी है इन दोनों का ढाल पश्चिम की तरफ यानी खंभात की खाड़ी की तरफ

(नर्मदा भ्रंश घाटी, तापी भ्रंश घाटी)

है
भारत √ कोंकण
हिन्द महासागर

→ पश्चिमी घाट एवं पूर्वी घाट के मिलन स्थल को नीलगिरि पर्वत है।
मिलन → तमिलनाडु, केरला, कर्नाटका

→ तापी नदी के मुहाने से पश्चिमी तट के साथ-2 कार्डामम या इलाइची पहाड़ी तक 1600 km तक है।

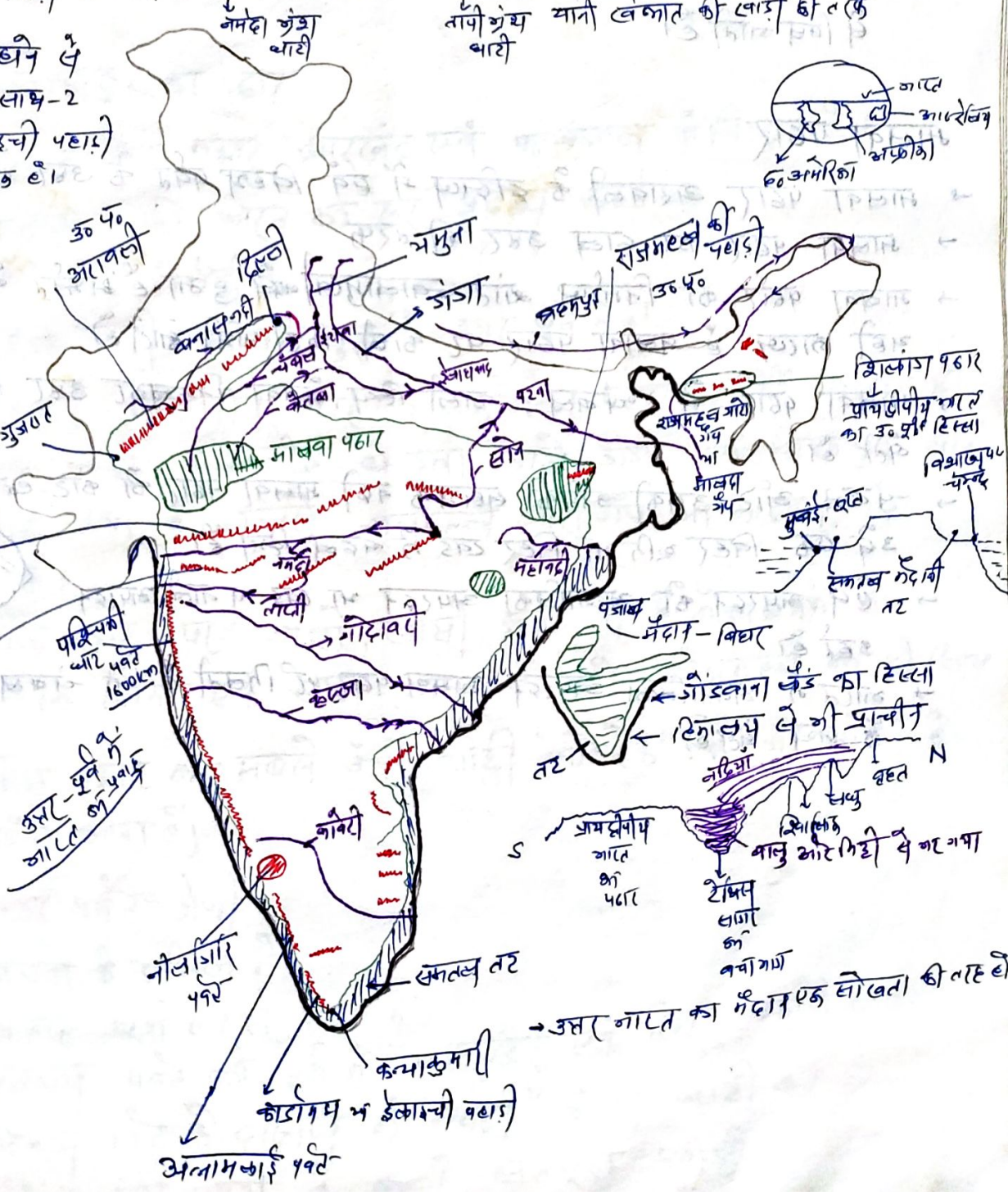

अरावली पर्वत

- → प्रायद्वीपीय भारत के पठार के उत्तर पूर्वी सिरे पर अरावली पर्वत
- → अरावली पर्वत गुजरात के पालनपुर से दिल्ली के मंजनु टीका तक
- → लंबाई लगभग 800 km
- → अरावली पर्वत का अधिकतम लंबाई राजस्थान में है।
- → अरावली को दक्षिणी राजस्थान में "जर्गा पर्वत" के नाम से जानते है।
- → अरावली का सर्वोच्च शिखर "गुरु शिखर" जो माउण्ट आबु में है जहाँ दिलवारा जैन मंदिर है।
- → अरावली पर दुनियाँ का सबसे प्राचीन वलित पर्वत है।
- → वर्तमान में अरावली "अवशिष्ट पर्वत" बनकर रह गया है
- → "बनास नदी" अरावली को पश्चिम से पूर्व दिशा में पार करती है और चंबल नदी से मिल जाती है।

मालवा पठार

- → मालवा पठार अरावली के दक्षिण में एवं विंध्य पर्वत के उत्तर में अवस्थित है।
- → मालवा पठार का ढाल उत्तर की तरफ
- → मालवा पठार का निर्माण शांत ज्वालामुखी से हुआ है अर्थात बेसाल्ट चट्टान से यही कारण है मालवा पठार पर काली मिट्टी पायी जाती है।
- → मालवा पठार से चंबल, काली सिंध, बेतवा निकलकर उत्तर की तरफ प्रवाहित होती है।
- → चंबल और उसकी अनेको सहायक नदी मालवा पठार को काँट-छाँट दिया है उसे एक बिहड़ भूमि या बिहड़ खंड में बदल दिया है।
- → ऐसे अपरदन को अवनालिका अपरदन या खंड या नाली अपरदन कहते है।
- → भारत में अवनालिका अपरदन मालवा पठार पर मिलती है जो चंबल नदी के द्वारा होते है।